श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

॥ श्रीमदनमोहनाष्टकम् ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीमदनमोहनाष्टकम् ॥

जय शङ्खगदाधर नीलकलेवर पीतपटाम्बर देहि पदम्।
जय चन्दनचर्चित कुण्डलमण्डित कौस्तुभशोभित देहि पदम्॥ १ ॥

जय पङ्कजलोचन मारविमोहन पापविखण्डन देहि पदम्।
जय वेणुनिनादक रासविहारक वङ्किम सुन्दर देहि पदम्॥ २ ॥

जय धीरधुरन्धर अद्भुतसुन्दर दैवतसेवित देहि पदम्।
जय विश्वविमोहन मानसमोहन संस्थितिकारण देहि पदम्॥ ३ ॥

जय भक्तजनाश्रय नित्यसुखालय अन्तिमबान्धव देहि पदम्।
जय दुर्जनशासन केलिपरायण कालियमर्दन देहि पदम्॥ ४ ॥

जय नित्यनिरामय दीनदयामय चिन्मय माधव देहि पदम्।
जय पामरपावन धर्मपरायण दानवसूदन देहि पदम्॥ ५ ॥

जय वेदविदांवर गोपवधूप्रिय वृन्दावनधन देहि पदम्।
जय सत्यसनातन दुर्गतिभञ्जन सज्जनरञ्जन देहि पदम्॥ ६ ॥

जय सेवकवत्सल करुणासागर वाञ्छितपूरक देहि पदम्।
जय पूतधरातल देवपरात्पर सत्त्वगुणाकर देहि पदम्॥ ७ ॥

जय गोकुलभूषण कंसनिषूदन सात्वतजीवन देहि पदम्।
जय योगपरायण संसृतिवारण ब्रह्मनिरञ्जन देहि पदम्॥ ८ ॥

॥ इति श्रीमदनमोहनाष्टकम् समाप्तम् ॥

prapatti.com